विषयानुक्रमणिका

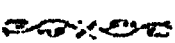

प्रथम परिच्छेद

विषय	पृष्ठ
प्राक्कथन	३
अरिहंत के १२ गुण [८ प्रातिहार्य ४ अतिशय]	३
वाणी के पैंतीस अतिशय	४
चौंतीस अतिशय	७
अठारह दोष	९
अठारह दोषों की मीमांसा	११
परमात्मा के विविध नाम	१५
गत चौवीसी के तीर्थङ्कर	१८
वर्तमान चौवीसी के तीर्थङ्कर	१९
तीर्थङ्कर के नाम का सामान्य और विशेष अर्थ	२०
तीर्थङ्करों के वंश तथा वर्ण	२९
तीर्थङ्करों के चिन्ह	३०
तीर्थङ्कर पितृनाम	३१
तीर्थङ्कर मातृनाम	३३
वावन बोल	३६
प्रत्येक तीर्थङ्कर के वावन बोल	३८
श्री ऋषभदेव, श्री अजितनाथ	३८

विषयानुक्रमणिका

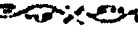

प्रथम परिच्छेद

विषय	पृष्ठ
प्राक्कथन	३
अरिहंत के १२ गुण [८ प्रातिहार्य ४ अतिशय]	३
वाणी के पैंतीस अतिशय	४
चौंतीस अतिशय	७
अठारह दोष	९
अठारह दोषों की मीमांसा	११
परमात्मा के विविध नाम	१५
गत चौवीसी के तीर्थङ्कर	१८
वर्तमान चौवीसी के तीर्थङ्कर	१९
तीर्थङ्कर के नाम का सामान्य और विशेष अर्थ	२०
तीर्थङ्करों के वंश तथा वर्ण	२९
तीर्थङ्करों के चिन्ह	३०
तीर्थङ्कर पितृनाम	३१
तीर्थङ्कर मातृनाम	३२
वावन बोल	३६
प्रत्येक तीर्थङ्कर के वावन बोल	३८
श्री ऋषभदेव, श्री अजितनाथ	३८

विषय	पृष्ठ
अद्वैतवाद का खण्डन	२०२
मायावाद का खण्डन	२११
श्री शङ्कराचार्य और सरसवाणी	२१३
अद्वैत ब्रह्म, तत्साधक अनुमान का खण्डन	१२२
सापेक्ष ईश्वरकर्तृत्व का खण्डन	१२८
नैयायिक तथा वैशेषिक के ईश्वर का स्वरूप और तत्साधक अनुमान	२२६
उक्त अनुमान का खण्डन	२३४
कर्मफल-प्रदाता भी ईश्वर नहीं	१४१
क्रीड़ार्थ सृष्टिरचना की असंगति	१४६
एकत्व का प्रतिवाद	१५०
सर्वव्यापकता का प्रतिवाद	१५२
सर्वज्ञता का प्रतिवाद	१५४
नित्यता का प्रतिवाद	१५५
खरड़ज्ञानियों से ईश्वर चर्चा	१५७

तृतीय परिच्छेद

सुगुरु का स्वरूप	१६८
पांच महाव्रत का स्वरूप	१६९
प्रथम अहिंसा व्रत	१७०
द्वितीय सत्य व्रत	१७०

विषय	पृष्ठ
अद्वैतवाद का खण्डन	२०२
मायावाद का खण्डन	२११
श्री शङ्कराचार्य और सरसवाणी	२१३
अद्वैत ब्रह्म, तत्साधक अनुमान का खण्डन	१२२
सापेक्ष ईश्वरकर्तृत्व का खण्डन	१२८
नैयायिक तथा वैशेषिक के ईश्वर का स्वरूप और तत्साधक अनुमान	१२९
उक्त अनुमान का खण्डन	२३४
कर्मफल-प्रदाता भी ईश्वर नहीं	१४१
क्रीड़ार्थ सृष्टिरचना की असंगति	१४६
एकत्व का प्रतिवाद	१५०
सर्वव्यापकता का प्रतिवाद	१५२
सर्वज्ञता का प्रतिवाद	१५४
नित्यता का प्रतिवाद	१५५
खरड़ज्ञानियों से ईश्वर चर्चा	१५७

तृतीय परिच्छेद

सुगुरु का स्वरूप	१६८
पांच महाव्रत का स्वरूप	१६९
प्रथम अहिंसा व्रत	१७०
द्वितीय सत्य व्रत	१७०

विषय	पृष्ठ
पांच समिति	१९५
बारह भावनाएं	१९६
१. अनित्य भावना	१९७
२. अशरण भावना	१९८
३. संसार भावना	१९९
४. एकत्व भावना	२००
५. अन्यत्व भावना	२०१
६. अशुचि भावना	२०२
७. आश्रव भावना	२०३
८. संवर भावना	२०४
९. निर्जरा भावना	२०५
१०. लोक स्वभाव भावना	२०६
११. बोधि दुर्लभ भावना	२०७
१२. धर्म भावना	२०८
बारह प्रतिमा	२१०
पांच इन्द्रिय निरोध	२१२
पच्चीस प्रतिलेखना	२१३
तीन गुप्ति	२१४
चार अभिग्रह	२१५
चरण सत्तरी और करण सत्तरी का अन्तर	२१६
पंचम काल के साधु का स्वरूप	२१७

विषय	पृष्ठ
पांच समिति	१९५
बारह भावनाएं	१९६
१. अनित्य भावना	१९७
२. अशरण भावना	१९८
३. संसार भावना	१९९
४. एकत्व भावना	२००
५. अन्यत्व भावना	२०१
६. अशुचि भावना	२०२
७. आश्रव भावना	२०३
८. संवर भावना	२०४
९. निर्जरा भावना	२०५
१०. लोक स्वभाव भावना	२०६
११. बोधि दुर्लभ भावना	२०७
१२. धर्म भावना	२०८
बारह प्रतिमा	२१०
पांच इन्द्रिय निरोध	२१२
पच्चीस प्रतिलेखना	२१३
तीन गुप्ति	२१४
चार अभिग्रह	२१५
चरण सत्तरी और करण सत्तरी का अन्तर	२१६
पंचम काल के साधु का स्वरूप	२१७

विषय	पृष्ठ
बौद्ध मत का स्वरूप	२७०
बुद्ध भगवान् के अनेक नाम	२७१
बौद्धों के नाम	२७२
चार आर्यसत्य	२७४
द्वादश आयतन	२७४
नैयायिक मत का स्वरूप	२७४
वैशेषिक मत का स्वरूप	२७७
सांख्य मत	२७८
दुःखत्रय	२८१
तीन गुणों का स्वरूप	२८२
पच्चीस तत्त्वों का स्वरूप	२८४
पुरुष तत्त्व का स्वरूप	२८७
मीमांसक मत का स्वरूप	२९०
सर्वज्ञ चर्चा	२९२
नोदना का व्याख्यान	२९७
चार्वाक मत का स्वरूप	२९८
चार्वाक मत की उत्पत्ति	२९९
चार्वाक की मान्यताएं	३०१
बौद्ध मत में पूर्वापर विरोध	३०९
बौद्ध मत का खण्डन	३१२

विषय	पृष्ठ
बौद्ध मत का स्वरूप	२७०
बुद्ध भगवान् के अनेक नाम	२७१
बौद्धों के नाम	२७२
चार आर्यसत्य	२७४
द्वादश आयतन	२७४
नैयायिक मत का स्वरूप	२७४
वैशेषिक मत का स्वरूप	२७७
सांख्य मत	२७८
दुःखत्रय	२८१
तीन गुणों का स्वरूप	२८२
पच्चीस तत्त्वों का स्वरूप	२८४
पुरुष तत्त्व का स्वरूप	२८७
मीमांसक मत का स्वरूप	२९०
सर्वज्ञ चर्चा	२९२
नोदना का व्याख्यान	२९७
चार्वाक मत का स्वरूप	२९८
चार्वाक मत की उत्पत्ति	२९९
चार्वाक की मान्यताएं	३०१
बौद्ध मत में पूर्वापर विरोध	३०९
बौद्ध मत का खण्डन	३१२

विषय	पृष्ठ
अजीव तत्त्व का स्वरूप और उस के भेद	४१२
पुण्य तत्त्व का स्वरूप	४१६
४२ प्रकार का पुण्य फल	४१७
पाप तत्त्व का स्वरूप	४२१
पुण्य और पाप की सिद्धि	४२३
पंच ज्ञानावरण	४२७
पंच अन्तराय	४२८
नव दर्शनावरण	४२८
मोह कर्म की २६ पाप प्रकृति	४३०
नव नोकषाय	४३२
नाम कर्म की ३४ पाप प्रकृति	४३४
ऊंच नीच की समीक्षा	४३८
आश्रव तत्त्व का स्वरूप	४४२
आश्रव के ४२ भेद	४४३
हिंसा आदि अव्रत के चार चार भंग	४४५
पच्चीस क्रियाऐं	४५०
संवर तत्त्व का स्वरूप	४५६
बावीस परिषह	४५६
निर्जरा तत्त्व	४६१
बन्ध तत्त्व का स्वरूप और छ विकल्प	४६२
बन्ध के हेतु	४६७

विषय	पृष्ठ
अजीव तत्त्व का स्वरूप और उस के भेद	४१२
पुण्य तत्त्व का स्वरूप	४१६
४२ प्रकार का पुण्य फल	४१७
पाप तत्त्व का स्वरूप	४२१
पुण्य और पाप की सिद्धि	४२३
पंच ज्ञानावरण	४२७
पंच अन्तराय	४२८
नव दर्शनावरण	४२८
मोह कर्म की २६ पाप प्रकृति	४३०
नव नोकषाय	४३२
नाम कर्म की ३४ पाप प्रकृति	४३४
ऊंच नीच की समीक्षा	४३८
आश्रव तत्त्व का स्वरूप	४४२
आश्रव के ४२ भेद	४४३
हिंसा आदि अव्रत के चार चार भंग	४४५
पच्चीस क्रियाऐं	४५०
संवर तत्त्व का स्वरूप	४५६
बावीस परिषह	४५६
निर्जरा तत्त्व	४६१
बन्ध तत्त्व का स्वरूप और छ विकल्प	४६२
बन्ध के हेतु	४६७

विषय	पृष्ठ
सातवां अप्रमत्त गुणस्थान	५३१
आठवें से बारहवें गुणस्थान तक का सामान्य रूप	५२१
उपशमश्रेणि	५२३
गुणस्थानों का आरोहावरोह	५२६
क्षपकश्रेणि	५२८
प्राणायाम का स्वरूप	५३३
रेचक प्राणायाम	५३४
कुंभक ध्यान	५३४
शुक्ल ध्यान और उसके भेद	५३७
वितर्क का स्वरूप	५३८
सविचार का स्वरूप	५३८
पृथक्त्व का स्वरूप	५३८
क्षपक और नवम गुणस्थान	५३९
क्षपक और दशम गुणस्थान	५४१
क्षपक और ग्यारहवां गुणस्थान	५४१
क्षपक और बारहवां गुणस्थान	५४२
अपृथक्त्व का स्वरूप	५४३
अविचार का स्वरूप	५४४
सवितर्क का स्वरूप	५४४

विषय	पृष्ठ
सातवां अप्रमत्त गुणस्थान	५३१
आठवें से बारहवें गुणस्थान तक का सामान्य रूप	५२१
उपशमश्रेणि	५२३
गुणस्थानों का आरोहावरोह	५२६
क्षपकश्रेणि	५२८
प्राणायाम का स्वरूप	५३३
रेचक प्राणायाम	५३४
कुंभक ध्यान	५३४
शुक्ल ध्यान और उसके भेद	५३७
वितर्क का स्वरूप	५३८
सविचार का स्वरूप	५३८
पृथक्त्व का स्वरूप	५३८
क्षपक और नवम गुणस्थान	५३९
क्षपक और दशम गुणस्थान	५४१
क्षपक और ग्यारहवां गुणस्थान	५४१
क्षपक और बारहवां गुणस्थान	५४२
अपृथक्त्व का स्वरूप	५४३
अविचार का स्वरूप	५४४
सवितर्क का स्वरूप	५४४